उवैमिर अजलानी , आसिम बिन अदी अंसारी के पास आए और उनसे कहाः ऐ आसिम, आप उस व्यक्ति के बारे में क्या कहते हैं , जो अपनी पत्नी के साथ किसी को पाए ? क्या वह उसका वध कर दे तो आप लोग भी उसका वध कर देंगे या वह और क्या करे ? ऐ आसिम, इस संबंध में आप मेरे लिए अल्लाह के रसूल (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) से पूछें।

इब्ने शिहाब से रिवायत है कि सह्ल बिन साद साइदी (रज़ियल्लाहु अंहु) ने उन्हें बतायाः उवैमिर अजलानी आसिम बिन अदी अंसारी के पास आए और उनसे कहाः ऐ आसिम , आप उस व्यक्ति के बारे में क्या कहते हैं , जो अपनी पत्नी के साथ किसी को पाए ? क्या वह उसका वध कर दे तो आप लोग भी उसका वध कर देंगे या वह और क्या करे ? ऐ आसिम, इस संबंध में आप मेरे लिए अल्लाह के रसूल (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) से पूछें। अतः , आसिम (रज़ियल्लाहु अंहु) ने इस संबंध में अल्लाह के रसूल (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) से पूछा , तो आपने इस तरह के प्रश्नों को नापसंद किया और इसकी इतनी बुराई की कि आसिम (रज़ियल्लाहु अंहु) पर आपकी बात भारी पड़ी। जब आसिम घर लौटे , तो उवैमिर उनके पास आए और कहा कि ऐ आसिम, अल्लाह के रसूल (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) ने आपसे क्या कहा ? आसिम ने उवैमिर से कहाः तुम मेरे पास कोई अच्छी बात लेकर नहीं आए। मैंने अल्लाह के रसूल (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) से जो प्रश्न किया , आपने उसे नापसंद किया। उवैमिर ने कहाः अल्लाह की क़सम , मैं आपसे इस संबंध में पूछे बिना दम नहीं लूँगा। उवैमिर (रज़ियल्लाहु अंहु) चल पड़े और अल्लाह के रसूल (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) के पास आ गए। उस समय आप लोगों के बीच थे। उन्होंने कहाः ऐ अल्लाह के रसूल , आप उस व्यक्ति के बारे में क्या कहते हैं , जो अपनी पत्नी के साथ किसी को पाए ? क्या वह उसका वध कर दे तो आप लोग भी उसका वध कर देंगे या वह और क्या करे ? अल्लाह के रसूल (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) ने फ़रमायाः "तुम्हारे तथा तुम्हारी पत्नी के बारे में आयत उतारी गई है। अतः , जाओ और उसे ले आओ।" सह्ल (रज़ियल्लाहु अंहु) कहते हैं ◌ः फिर दोनों ने 'लेआन' किया। उस समय मैं भी लोगों के साथ अल्लाह के रसूल (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) के निकट मौजूद था। जब दोनों 'लेआन' कर चुके , तो उवैमिर ने कहाः ऐ अल्लाह के रसूल , अगर मैंने उसे रख लिया , तो गोया मैंने झूठ कहा है। सो , उन्होंने अल्लाह के रसूल (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) के आदेश से पहले ही तीन तलाक़ दे दिए। इब्ने शिहाब कहते हैं ◌ः यही तरीक़ा बाद में 'लेआन' करने वालों के लिए प्रचलित हो गया।

[सह़ीह़] [इसे बुख़ारी एवं मुस्लिम ने रिवायत किया है।]

http://www.sunnah.global/hadeeth/hi/show/58157